



Aditya Singh

29 Aug 2002

Model: Numerology-Report

Order No: 121436301

# अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121436301

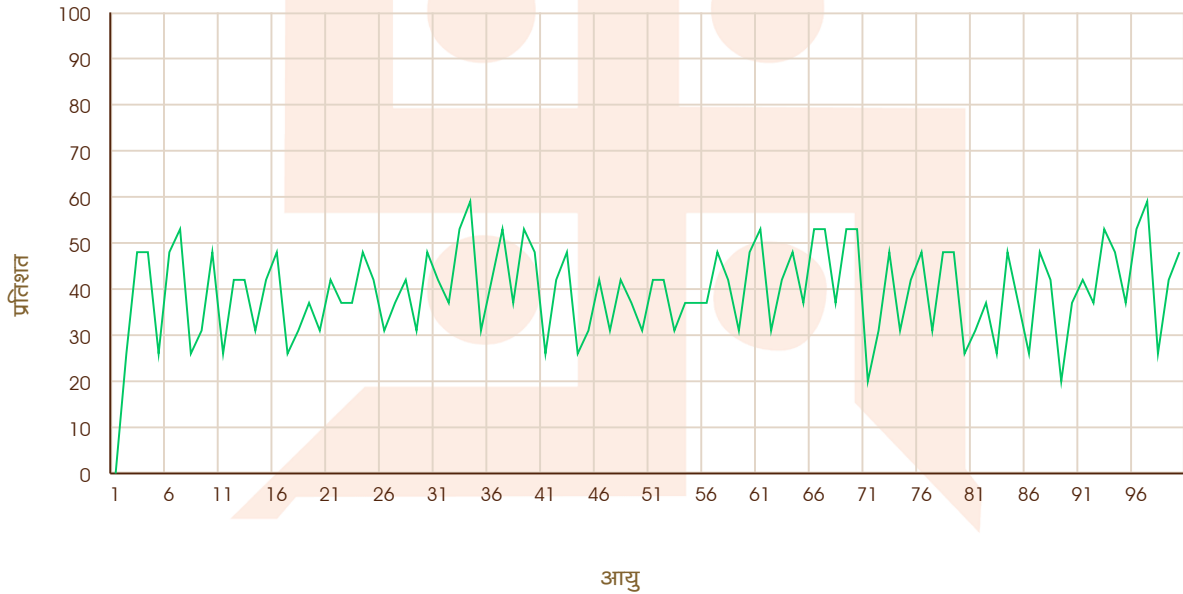
Date: 28/02/2026

नाम	Aditya Singh
जन्म तिथि	29/08/2002
मूलांक	2
भाग्यांक	5
नामांक	2
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	चन्द्र
मित्र अंक	7, 9, 5
शत्रु अंक	8
सम अंक	1, 3, 4, 6
मुख्य वर्ष	2018,2027,2036,2045,2054,2063,2072,2081
शुभ आयु	16,25,34,43,52,61,70,79
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

## अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2018,2027,2036,2045,2054,2063,2072,2081

शुभ आयु 16,25,34,43,52,61,70,79

## अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 2 है तथा भाग्यांक 5 है। मूलांक 2 के स्वामी चंद्र तथा भाग्यांक स्वामी बुध में शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश कभी आपका भाग्यांक साथ देगा और कभी-कभी इन दोनों अंकों में अशुभ घटनाएं भी घटित हो सकती हैं। साधारणतः चंद्र-बुध के योग से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। आपका भाग्योदय बुद्धिपूर्ण कार्यों में

ही होगा। आप ऐसे रोजगार-व्यापार का चुनाव करेंगे, जिसमें शारीरिक श्रम की अपेक्षा बौद्धिक कार्य अधिक होते हों। आप में उत्तम कोटि की व्यावसायिक बुद्धि रहेगी एवं रोजगार के क्षेत्र में अपनी व्यावसायिक बुद्धि के कारण आप शीघ्र ही सफलता प्राप्त करेंगे। आपका भाग्योदय गणित के द्वारा किये गये लेन-देन के द्वारा होगा। गणित के क्षेत्र में लेन-देन के द्वारा आप ऐसे व्यवसाय का चुनाव कर सकते हैं, जिसमें चिकित्सा शास्त्र, गणित विद्या, लेखन, कला, शिल्प कला, वकालत, वाणिज्य आदि हों।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 32 वर्ष की अवस्था पर विशेष उन्नति प्राप्त करेगा तथा 41 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 2 की मित्रता 7 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 5 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 5, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष, या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, मई, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 5, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
- 5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
- 7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
- 9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

## नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

**Aditya Singh**  
**1+4+1+4+1+1 3+1+5+3+5**  
**नाम का योग : 29 नामांक : 2**

आपके नाम का कुल योग उनतीस है। दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक एवं एक के योग से दो आपका नामांक होता है। नामांक दो का स्वामी चन्द्र एवं नौ का स्वामी मंगल तथा अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलजुला फल दृष्टिगोचर होगा। आप स्नेहशील भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। आपके जीवन में काफी उतार चढ़ाव आते रहेंगे। किसी कार्य को अधूरा छोड़कर दूसरे कार्य में लग जाने की प्रवृत्ति आप में रहेगी। एकाध बार तो आपके कार्य बिगड़ जाया करेंगे। आपको कठिन समय में आत्मविश्वास बनाये रखना होगा। तभी आप सांसारिक सफलतायें पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे। सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। आपका नाम स्थायी रूप से लोकप्रियता को प्राप्त करेगा। जिस क्षेत्र में आप कार्य करेंगे उसमें एक लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे।

आपके नाम का नामांक 2 है। यही आपका मूलांक भी है। इन दोनों के आपके भाग्यांक 5 से शत्रु संबंध होने के कारण आपको भाग्यांक के शुभ फल प्राप्त होने में परेशानियाँ आएंगी। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे। आपके नाम का एवं मूलांक का एक ही अंक स्वामी होने से आपको मूलांक स्वामी के प्रभाव से वांछित उन्नति मेहनत द्वारा ही प्राप्त होगी। क्योंकि आपका भाग्यांक स्वामी शत्रु होने से आपको भाग्य का उचित फल प्राप्त नहीं होगा। अतः आप अपने नाम में भाग्य से भी अच्छे संबंध बनाने हेतु इस प्रकार से परिवर्तन करें कि वह आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले।

आपका नामांक आपके मूलांक 2 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 5 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे

नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 9 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चौद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 3,7 अंक अच्छे रहेंगे तथा 8,5 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

**A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z**

**1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7**

**उदाहरणार्थ:-**

एक अंक घटना:-	GANESHA 3+1+5+5+3+5+1=23=5	GANESH 3+1+5+5+3+5=22=4
एक अंक :-	RAM 2+1+4=7	RAMA 2+1+4+1=8
दो अंक :-	BINDRA 2+1+5+4+2+1=15=6	BRINDRA 2+2+1+5+4+2+1=17=8
तीन अंक :-	RAMCHAND 2+1+4+3+5+1+5+4=25=7	RAMCHANDRA 2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28
चार अंक :-	KRISHNA 2+2+1+3+5+5+1=19=1	KRESHNA 2+2+5+3+5+5+1=23=5
पाँच अंक :-	TEWARI 4+5+6+1+2+1=19=1	TIWARI 4+1+6+1+2+1=15=6
छः अंक :-	AGGARWAL 1+3+3+1+2+6+1+3=20=2	AGARWAL 1+3+1+2+6+1+3=17=8

## लोशु फल

4	9	2 2 2 2 2
3	5	7
8	1	6

### लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

### अंक 1 - अनुपस्थित

यदि आपके लोशु चार्ट में 1 का अंक नहीं है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त नहीं कर पाएंगे और दूसरों की सहायता व परिचर्या में अधिक रुचि रखेंगे। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है, अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आप अधिक लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होने से आप बीच में ही कार्य छोड़ देते हैं। भावनाओं को रचनात्मक रूप में व्यक्त करने के लिए आपको किसी रचनात्मक प्रेरणास्रोत की आवश्यकता होगी। और जीवन में आगे

बढ़ने के लिये दूसरे व्यक्ति का परामर्श या सहारा चाहिए होता है।

### अंक 2 - चार बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक चार बार उपस्थित है। आप अधीर हैं और छोटे-छोटे संकटों से घबरा जाते हैं। आप अत्यधिक संवेदनशील हैं, जिस कारण आप दृढ़निश्चयी नहीं हो पाते, इस बात का डर आपको हमेशा बना रहता है कि कोई दूसरा आपकी भावनाओं को ठेस न पहुंचा दे, इसलिए अधिकतर एकाकी रहना पसंद करते हैं, और अपनी भावनाओं में खोये रहते हैं। आपमें आत्मविश्वास की कमी रहती है, फलस्वरूप आपको कोई भी निर्णय लेने में अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। आपका मन बहुत चंचल है, आप काफी अस्थिर रहते हैं। आप एक समय पर कई काम करने के इच्छुक होते हैं, जिस कारण आपको परेशानी का भी सामना करना पड़ता है। जीवनशक्ति कमजोर होने के कारण सामान्यतः आपको बीमारी का वहम रहता है। आप पेट से सम्बंधित परेशानियां और रक्त विकार की समस्या से अधिकतर परेशान रहते हैं, आपको स्वतंत्र रूप से कार्य करने में अधिक लाभ प्राप्त नहीं होता। यदि आप कहीं नौकरी करते भी हैं, तो आपके लिए ठीक रहता है। स्वभाव से शंकालु होते हुए भी आप दूसरों के हित का पूरा ख्याल रखते हैं। किसी को सीधे ना कहना आपके स्वभाव में होता है। दूसरों के मन की बात जान लेने में आप प्रवीण होते हैं।

### अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अर्धक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

### अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने

में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

### अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

### अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

### अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता,

तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

### अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य दूढ़ते है। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

### अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पड़ना शेष है।

### दृढ़ निश्चय के अंक - 2. 5 व 8

आपके लोशु चार्ट में 2. 5 व 8 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप धैर्यशील, अध्यवसायी व दृढ़ संकल्प वाले हैं, आप सम्मानित, अप्रतिम, सुसज्जित एवं प्रभावशाली व्यक्ति हैं। आपको अपने क्षेत्र में नेतृत्व के अवसर प्राप्त होते हैं। आप उचित समय की ताक में रहते हैं, और निणर्यात्मक तरीके से सक्रिय होते हैं, आप स्वतंत्र प्रिय होते हैं। लक्ष्य को कभी भी नजरअंदाज नहीं करते, आपकी इच्छाशक्ति (पससचवूमत) ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के

अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति आपके मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। संकल्प-शक्ति को दृढ़ बनाकर आप अपनी सोच के अनुसार चीजों को पा लेते हैं। दृढ़निश्चय और बौद्धिक संतुलन आपकी दो अमोघ शक्तियां हैं जिनके बल पर विकट-से-विकट परिस्थिति का भी आप आसानी से सामना कर जाते हैं।

### जल तत्त्व - अंक 1 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात् अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है। इनकी आक्रामकता इनका अहम इन्हें अपने सहकर्मियों एवं सम्बन्धियों के बीच बिल्कुल अलोकप्रिय बना देता है। जिस कारण आप कई बार अपने आप को बिल्कुल अकेला महसूस करते हैं। कई बार आप अधिक आत्मविश्वास के शिकार हो जाते हैं। आप अधिक लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होता है।

### पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, ज़िद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

### काष्ठ तत्त्व अंक - 3, 4 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले होते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता

है। जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है। विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। और जीवन में बड़े बुजुर्गों, पिता का, बड़े भाई का सहयोग नहीं मिलता।

### धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।

### अग्नि तत्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

## अंक ज्योतिष उपाय विचार

### अनुकूल समय

सूर्य 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। कर्क राशि चंद्रमा की स्वयं की राशि है। 13 मई से 14 जून तक सूर्य वृष राशि में होता है, जो कि चंद्रमा की उच्च राशि है। अतः यह समय मूलांक दो के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

### अनुकूल दिवस

आपके लिए कोई भी नया या शुभ कार्य करने हेतु सोमवार, शुक्रवार तथा रविवार के दिन अच्छे सिद्ध हो सकते हैं। यदि इन्हीं वारों में आपके मूलांक की तारीख भी हो तो ऐसा दिन सभी कार्यों के लिये अच्छा रहेगा।

### शुभ तारीखें

जब कभी आपको कोई महत्वपूर्ण कार्य करना हो, नया कार्य या व्यापार प्रारंभ करना हो, अथवा किसी को विशेष पत्र लिखना हो या किसी से विशेष कार्यवश मिलने जाना हो तो आप किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को ये सारे कार्य करें। यदि इन तारीखों में आपका अनुकूल वार भी रहता है तो ऐसा दिन आपके कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा।

### अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी मास की 5, 8, 14, 17, 23 एवं 26 तारीखें कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए ठीक नहीं रहेंगी। अतः इन तारीखों में सोच-समझ कर ही कोई शुभ कार्य करें।

### मित्रता या साझेदारी

किसी से भी मित्रता करते समय यह देखना आपके हित में रहेगा कि यदि उसका जन्म अंग्रेजी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति आपके लिए हितकारी सिद्ध हो सकते हैं।

### प्रेम संबंध एवं विवाह

आपके लिए मूलांक 2, 7 एवं 9 प्रभावित महिलाएं अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। आपको चाहिए कि आप इन्हीं मूलांक वाली महिलाओं से मित्रता इत्यादि रखें, या ऐसी महिलाएं जिनका जन्म किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसी महिलाएं हमेशा आपके अनुकूल रहेंगी।

## अनुकूल रंग

आपको अपने वस्त्रों का चुनाव करते समय सफेद, काफूरी, हरा एवं अंगूरी रंगों का उपयोग अधिक मात्रा में करने पर वांछित लाभ प्राप्त होंगे। हो सके तो आप अपने कमरे के पर्दे, चादर, तकिया इत्यादि में इन रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन रंगों का रुमाल तो हमेशा अपने पास रखना आपके लिए विशेष लाभप्रद रहेगा।

## वास्तु एवं निवास

आपके लिए उत्तर-पश्चिम में वायव्य कोण स्थान में रहना शुभ रहेगा। जिस क्षेत्र में आप रहते हों, यदि वह वायव्य कोण में स्थित होगा तो अधिक अनुकूल रहेगा। मकान के नंबर का योग यदि 2, 7, या 9 आता हो तो ऐसा भवन आपके लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा।

## शुभ वाहन नं

आपके वाहन के पंजीकरण हेतु अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना अच्छा रहेगा। आपका मूलांक 2 होने से आपके शुभ अंक 2,7,9 रहेंगे। यहां आपके वाहन इत्यादि के पंजीकरण क्रमांक के शुभ अंक भी रहेंगे, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5231=2 इत्यादि। यात्रा के वाहनों में भी इन अंकों का उपयोग करें, जिसके फलस्वरूप आपकी यात्रा सुखमय रहेगी। अगर आप होटल आदि में कमरा इत्यादि लेते हैं तो उसके लिए भी यही नंबर 2,7,9 इत्यादि लें, जैसे कमरा 101 = 2। तभी आपके लिए वह कमरा अच्छा साबित होगा।

## स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता, कब्ज, आंत रोग, मूत्र रोग, गैस रोग इत्यादि होंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शिव उपासना पर बल देना चाहिए।

## व्यवसाय

आपके लिए रोजगार-व्यापार हेतु ये क्षेत्र अनुकूल रहेंगे, जैसे द्रव्य पदार्थ, तैलीय कार्य, समुद्र यात्रा, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, पशु व्यवसाय, चीनी मिल, अन्न का व्यवसाय, तैराकी, रसपूर्ण पदार्थ, दूध, दही, घृत, कागज, जल, कृषि एवं चीनी के व्यवसाय एवं औषधि विक्रेता, भ्रमण कार्य, एजेंट, प्रतिनिधित्व, संपादन, लेखन, संगीत, अभिनय, नृत्य, भूप्रबंध, मकानों की ठेकेदारी, चिकित्सा, मोती, हार, मणि, माणिक्य, रत्न इत्यादि का क्रय विक्रय, पत्थर व भूगर्भ इत्यादि के कार्य।

## व्रतोपवास

जिस दिन सोमवार को चित्रा नक्षत्र हो उस दिन से चंद्रमा का व्रत प्रारम्भ करें। विधान के अनुसार 54 सोमवार तक अथवा न्यूनतम सात सोमवार व्रत आवश्यक है। व्रत के

दिन श्वेत वस्त्र धारण करें एवं श्वेत वस्तुओं का दान करें तथा चंद्रमा के मंत्र का यथा शक्ति, मोती की माला पर जप करें।

### अनुकूल रत्न या उपरत्न

पांच रत्ती मोती आपके लिए प्रमुख रत्न है। यदि आप मोती धारण ना कर सकें तो मूनस्टोन, चंद्रमणि, दूधिया हकीक, सोमवार की सुबह दायें हाथ की कनिष्ठा अंगुलि में, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में धारण करें।

### अनुकूल देवता

आप चंद्रोपासना करें अथवा भगवान शिव की आराधना करें। भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम् नमः शिवाय का नित्य जप करें। प्रति सोमवार को कम से कम इक्कीस या एक सौ आठ बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों से समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान शिव के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

### ग्रह गायत्री मंत्र

आपको चंद्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु चंद्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

चंद्र गायत्री मंत्र - अमृतांगाय विद्महे कलारूपाय धीमहि तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

### ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप चंद्र का ध्यान करें, मन में चंद्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदारणव संभवम्।  
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोमुकुटभूषणम् ॥

### ग्रह जप मंत्र

अशुभ चंद्र को अनुकूल बनाने हेतु चंद्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ श्रौं श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः ॥ जप संख्या 13000 ॥

### वनस्पति धारण

आप सोमवार के दिन एक इंच लंबी खिरनी की जड़ ला कर, सफेद ऊन के धागे में लपेट कर, गले या दाहिने हाथ में बांधे, स्वर्ण या तांबे ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे चंद्र ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

## वनस्पति स्नान

आपके प्रत्येक सोमवार को एक बाल्टी या बर्तन में पंच गव्य-चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ चंद्र का प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

## दान पदार्थ

चंद्र की शांति हेतु योग्य व्यक्ति के लिए चंद्र के पदार्थ, चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, वृषभ, दधि, मोती आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

## यंत्र

चंद्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु चंद्र यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, चांदी की जंजीर या लाल धागे में, सोमवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।